

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, नीम का थाना

न्यायालय बइजलास अनिल कुमार (आर.ए.एस) अति० जिला कलक्टर, नीम का थाना
पीठासीन अधिकारी का नाम:- अनिल कुमार (आर.ए.एस)
अपील संख्या:- 118/2021

उनवान

माया देवी पुत्री परताराम पत्नी शंकरलाल उम्र 40 वर्ष जाति अहीर निवासी ढाणी मनोरकावाली तन दिवराला तहसील श्रीमाधोपुर जिला नीम का थाना हाल निवासी गोपालपुरा तहसील श्रीमाधोपुर जिला नीम का थाना।

-----अपीलान्ट्स

बनाम

1. श्योनारायण पुत्र कुशलाराम
2. प्रभु पुत्र कुशलाराम
3. हनुमान पुत्र कुशलाराम

समस्त जाति जाट निवासी ढाणी बागवाली तन दिवराला तह. श्रीमाधोपुर,

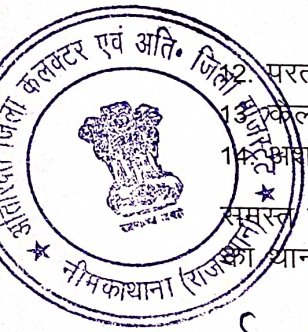
4. सुरजी देवी पुत्र जगन्नाथ,
5. बाबूलाल पुत्र जगन्नाथ,
6. बिडदी देवी पत्नी प्रहलाद,

समस्त जाति माली निवासी ढाणी बागवाली तन दिवराला तह. श्रीमाधोपुर,

7. मालीराम पुत्र नानूराम,
8. गणपत पुत्र मांगूराम,
9. गोपाल पुत्र मांगूराम,
10. महावीर पुत्र मांगूराम,
11. बन्ना पुत्र मांगूराम,

समस्त जाति यादव निवासी ढाणी देवजी वाली तन दिवराला तहसील श्रीमाधोपुर,

----- रेस्पोडेन्ट्स/प्रतिवादी सं. 01 ता 11



परताराम पुत्र नारायण राम निवासी

13. कुशलाश पुत्र परताराम

14. अशोक पुत्र परताराम

समस्त जाति यादव निवासी ढाणीगण ढाणी देवजी वाली तन दिवराला तहसील श्रीमाधोपुर, जिला नीम का थाना
-----रेस्पोडेन्ट

(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकाथाना

अपील विरुद्ध निर्णय एवं आदेश दिनांक 24.08.2020 मुकदमा नम्बर 2/2020 उनवानी श्योनारायण बनाम परताराम न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर पीठासीन अधिकारी महिपाल सिंह राजावत, आर.टी.एस. अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955



उपस्थित:- श्री धर्मवीर यादव एडवोकेट
श्री मनीराम जाखड़

----- अपीलान्ट्स
----- रेस्पोडेन्ट

संक्षेप में अपील अपीलान्त इसप्रकार है कि रेस्पोजेन्ट/वादी संख्या 1 ता लगायत 11 द्वारा तहसीलदार श्रीमाधोपुर के यहां एक प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के अन्तर्गत पेश किया। भूमि खसरा नं. 1479 से 1481, 1499, 1500, 1502 से 1505, 1509, 1510, 1515 ग्राम दिवराला तहसील श्रीमाधोपुर में सह काश्तकार है। 1 ता 11 की भूमि में आने-जाने के एक मात्र रास्ता भूमि खसरा नं. 1614 से होकर है। आगे खसरा नं. 1630 से होकर खसरा नं. 1500 तक जाता है। खसरा नं. 1630 में रास्ता करीब आधा भाग उत्तर से दक्षिण में नक्शा में दर्ज है। वादी संख्या 1 ता 11 आने-जाने का सुखा अधिकार है। अपीलान्त/अप्रार्थी ने रास्ता को छड़ीया गाड़कर कर बन्द कर दिया उसे खुलवाने कि कृपा करें। आवेदन पत्र सं. 02/2020 अन्तर्गत धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 पेश किया। प्रकरण में बहस सुनकर न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के द्वारा दिनांक 24.08.2020 को निर्णय किया जाकर आवेदन पत्र स्वीकार कर लिया। निर्णय दिनांक 24.08.2020 विधि विरुद्ध तथा विरुद्ध पत्रावली होने के कारण निरस्त होने योग्य है। तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा हल्का पटवारी से दिनांक 16.06.2020 को फर्द मौका रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कि गई। न्यायालय ने निर्णय पारित करने से पूर्व उक्त फर्द मौका रिपोर्ट का अवलोकन नहीं किया एवं निर्णय पारित कर दिया।

प्रार्थी/रेस्पोजेन्ट संख्या 1 श्योनारायण प्रतिवादी संख्या 4 के रूप में पक्षकार था। वाद संख्या 153/1991 उनवानी भंवरसिंह बनाम परता में न्यायालय एम.जे.एम. श्रीमाधोपुर द्वारा निर्णय व डिक्री दिनांक 24.09.2004 को पारित किया जिसकी रेस्पोजेन्ट संख्या 01 को जानकारी थी। न्यायालय सहायक कलक्टर, फास्ट ट्रैक, श्रीमाधोपुर में वाद/प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रखा है। आवेदन में अंतरिम स्थगन आदेश पारित कर रखा है। जिसमें अधिनस्थ न्यायालय द्वारा इस पर कोई गौर नहीं किया। इस लिए चुनौतीग्रस्त निर्णय अपास्त किये जाने योग्य है। रेस्पोजेन्ट सं. 01 ने प्रार्थना-पत्र में मौके पर आवागमन बताया गया है। यह रास्ता कभी नहीं रहा है अतः अपील अपीलान्त स्वीकार फरमाया जाकर अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के द्वारा पारित निर्णय दिनांक 24.08.2020 निरस्त फरमाया जावें।

नीम का थाना नव सृजित जिला बनने पर उक्त पत्रावली इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आने के कारण अतिरिक्त जिला कलक्टर सीकर के यहां से प्राप्त हुई है। पत्रावली प्राप्त होने पर दर्ज रजिस्टर की गई एवं रेस्पोजेन्ट को जरिये नोटिस तलब किया गया। रेस्पोजेन्ट की ओर से श्री मनीराम जाखड उपस्थित हुये। रेस्पोजेन्ट की ओर से जरिये वकील दस्तावेजात की सूची के साथ दस्तावेज पेश किये एवं अपीलान्त द्वारा भी जरिये वकील दस्तावेज पेश किये गये।

वकुलाय उभय पक्ष की बहस सुनी गई दौराने बहस वकील अपीलान्त ने बताया की मौके पर रास्ता चालू है। जिसके पश्चात प्रशासन गाँवों के संघ अभियान में रास्ता कायम किया गया था। रेस्पोजेन्ट द्वारा मौके पर छड़ी डालकर अतिक्रमण कर रास्ते को बंद कर दिया जबकि वहां पर कभी कोई रास्ता था ही नहीं। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा मौके पर रास्ता होने के बावजूद भी नया रास्ता कायम किया गया है जो विधि विरुद्ध है। इसलिए मौके पर जो रास्ता होते हुये भी तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा अपीलान्त को परेशान करने की गर्ज से तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा दिनांक 24.08.2020 को आदेश पारित किया गया है। अतः तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा पारित आदेश 24.08.2020 निरस्त फरमाया जावे।

दौराने बहस वकील रेस्पोजेन्ट ने बताया कि मौके पर पहले से ही प्रचलित रास्ता था। जिसको अप्रार्थी परताराम वगै. छड़ीयां डालकर बन्द कर दिया गया था जिससे रेस्पोजेन्ट/प्रार्थी श्योनारायण वगै. अपनी भूमि आने-जाने में काफी परेशानी होने लगी रास्ते खुलवाने के लिए कहा गया परन्तु मना कर दिया गया। प्रार्थी का काफी परेशान होने पश्चात न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के समक्ष एक प्रार्थना-पत्र पेश किया जिसकी जाँच हेतु तहसीलदार श्रीमाधोपुर ने पटवारी हल्का से रिपोर्ट मांगी एवं रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार प्रकरण की सुनवाई की जाकर अधिनस्थ न्यायालय में दिनांक 24.08.2020 को न्यायिक सिद्धान्तों के तहत निर्णय पारित कर अवरुद्ध रास्ते को खुलवाया गया। अपीलान्त रेस्पोजेन्ट को बार-बार परेशान करते हैं एवं मौके पर पूर्व से प्रचलित रास्ता होने की बात पटवारी हल्का की रिपोर्ट से साबित होती है। अतः अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा दिनांक 24.08.2020 को पारित आदेश बहाल रखते हुये अपील अपीलान्त खारिज किये जाने का निवेदन किया है।



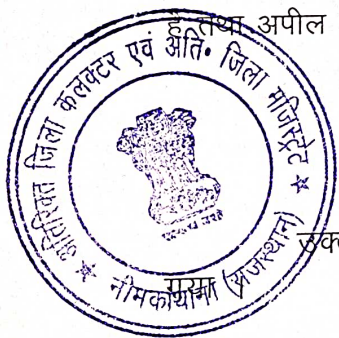
(आनल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकाथाना

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्ष की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा प्रकरण संख्या 02/2020 में दिनांक 24.08.2020 को जो आदेश पारित किया गया है। अपीलान्त द्वारा उस आदेश को न्यायालय हाजा में चुनौती दी गई है। पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिकॉर्ड का अवलोकन किया जिसमें अपीलान्त का मुख्य कथन यह है कि मौके पर कोई प्रचलित रास्ता नहीं था अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा गलत आदेश पारित किया गया है एवं इसी के साथ रेस्पोजेन्ट का मुख्य कथन यह है कि पूर्व से प्रचलित रास्ता मौजूद था। जिसको अप्रार्थी परताराम वगै. द्वारा छड़ी डालकर बन्द कर दिया एवं अवरुद्ध कर दिया गया जिसे खुलवाने का निवेदन किया।

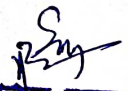
इसप्रकार दोनो के कथन आपस में विरोधाभाषी है। न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के समक्ष रेस्पोजेन्ट/प्रार्थी श्योनारायण वगै. द्वारा एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर अवरुद्ध किये गये रास्ते खुलवाने का निवेदन किया गया। प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों कि जाँच रिपोर्ट तहसीलदार श्रीमाधोपुर ने पटवारी हल्का को आदेश देकर रिपोर्ट प्राप्त कि गई। मुताबिक आदेश के पटवारी हल्का द्वारा दिनांक 16.06.2020 को मौके पर जाकर फर्द मौका रिपोर्ट तैयार कि एवं मौके पर उपस्थित लोगों के हस्ताक्षर भी करवाये गये। पटवारी हल्का रिपोर्ट के अनुसार यह बिन्दू तो स्पष्ट रूप से साबित होता है कि मौके पर पूर्व से प्रचलित रास्ता कायम था जिसको परताराम द्वारा अवरुद्ध किया गया है इस रिपोर्ट से रेस्पोजेन्ट/प्रार्थी के कथन कि पुष्टि होती है। अपीलान्त इस बिन्दू को (मौके पर प्रचलित रास्ता) साबित करने में असफल रहा है। पक्षकारान के मध्य राजीनामा भी हुआ है। जिसकी फोटो प्रति पत्रावली में शामिल है।

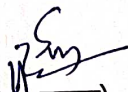
इससे यह कथन सामने आता है कि अगर मौके पर रास्ता नहीं था तो अवरुद्ध किसे किया गया क्योंकि रास्ता हो तब ही अवरुद्ध किये जाने का प्रश्न उठता है। इसलिए अवरुद्ध रास्ते कि सुनवाई का क्षेत्राधिकार तहसीलदार को प्राप्त है। पटवारी हल्का कि रिपोर्ट के आधार पर तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा प्रकरण अन्तर्गत धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण को दर्ज कर सुनवाई कि गई एवं उभय पक्ष द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात का घहनता से अवलोकन किया गया एवं दिनांक 24.08.2020 को रेस्पोजेन्ट/प्रार्थी श्योनारायण का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया गया है जो न्यायिक सिद्धान्त के तहत किया गया है जिसमें कोई त्रुटि प्रतीत नहीं होती है। तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा पारित निर्णय दिनांक 24.08.2020 को विधि पूर्वक सही प्रतीत होने से इसमें किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।

अतः उपर्युक्त विवेचन के आधार पर अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा मुकदमा नं. 02/2020 उनवानी श्योनारायण बनाम परताराम में दिनांक 24.08.2020 को पारित निर्णय यथावत रखा जाता है तथा अपील अपीलान्त सारहीन होने खारिज की जाती है।



उक्त आदेश आज दिनांक 22/3/24 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया


(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकाथाना


(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकाथाना